संस्कृत विभाग

DEPARTMENT OF SANSKRIT

कला, संचार एवं भाषा संकाय

SCHOOL OF ARTS, COMMUNICATION AND LANGUAGES

राष्ट्रिय शिक्षा नीति २०२० के अनुरूपः

According to NEP 2020

चतुर्वर्षीयः स्नातक कक्षा के चतुर्थ वर्ष का पाठ्यक्रम

4TH YEAR'S SYLLABUS OF FOUR-YEAR UNDER GRADUATION PROGRAMME

वर्ष २०२६-२०२७ में प्रविष्ट विद्यार्थियों के लिए

For students admitted in 2026-2027

हेमवती नन्दन बहुगुणा गढवाल विश्वविद्यालय

(केन्द्रिय विश्वविद्यालय)

श्रीनगर गढवाल, उत्तराखण्ड

HEMVATI NANDAN BAHUGUNA GARHWAL UNIVERSITY
(A CENTRAL UNIVERSITY)
SRINAGAR (GARHWAL), UTTARAKHAND

COURSE STRUCTURE FOR 4TH YEAR (U.G. HONOURS WITH RESEARCH) PROGRAMME UNDER NEP–2020

DEPARTMENT OF SANSKRIT (HNBGU)

Course Category	Semester-VII				Semester-VIII		
	CoursTitle	No. of paper	Credits		Subject /Title	No. of paper	Credits
Discipline Specific Core Major (One)	DSC (Major)-XIII	1	4		DSC (Major)- XVII	1	4
	DSC (Major)-XIV	1	4				
	DSC (Major)-XV	1	4				
Discipline Specific Elective [DSE]	DSC (Major)-XVI Research Methodology	1	4		DSC (Major)-XVIII Dissertation	1	12
	DSE (Major) Elective-III	1	4		DSE (Major) Elective-IV	1	4
Minor (One)	(Minor)-VII Or M.D/I.D.(M)-V	1	4		(Minor)-VIII Or M.D/I.D.(M)-VI	1	4
Total		6	24			4	24
NHEQF Level 6.5	**Student after successfully completing second year of 2-year PG (i.e., securing minimum 96 credits) will be awarded “Postgraduate Degree” of two years, in related field/discipline/subject.**						

Note:

1. In case of Vocational course being offered by the department, the 4 credits may be given entirely to the theory course or distributed between theory and practical as per the requirements.
2. Student will continue with the same minor in the third year (V & VI Semester) as studied in the second year (III & IV semester) of the FYUP.

❖ Community Outreach: The curricular component of 'Community Outreach' will involve activities that would expose students to the socio-economic issues in society so that the theoretical learnings can be supplemented by actual life experiences to generate solutions to real-life problems.

Semester VII

Core Major XIII: वैदिकवाङ्मय एवं उपनिषद्, का इतिहास **(4)**

Core Major XIV: भारतीय दर्शन (तर्कभाषा एवं सांख्यकारिका) **(4)**

Core Major XV: नाटकं एवं गद्यकाव्य **(4)**

Core Major XVI: शोधविधि (रिसर्च मेथोडोलॉजी) **(4)**

Core Major Elective III: धर्मशास्त्र **(4)**

Minor-VII: भारतीय संस्कृति और सभ्यता **(4)**

Or

M.D/I.D.(M)-V: गढ़वाल के प्रमुख तीर्थस्थल

Total Papers: 6 **Total Credits: (24)**

Semester VIII

Core Major XVII: शोधलेखन और नैतिकता **(4)**

Core Major XVIII: Research Dissertation (शोधनिबंध) **(12)**

Core Major Elective IV: गीताय का आत्मप्रबन्धन **(4)**

Minor- VIII: संस्कृत भाषा और साहित्य **(4)**

(BSKLA-135: Sanskrit Bhasha aur Sahitya) *

Or

M.D/I.D.(M)-VI: भाषाविज्ञान

Total Papers: 4 **Total Credits: (24)**

FYUG 4TH YEAR (UG HONOURS WITH RESEARCH)
DEPARTMENT OF SANSKRIT (HNBGU)

7th Semester
सप्तम सेमेस्टर

Core Major XIII: **CREDITS 04**

प्रथम प्रश्नपत्र– वैदिकवाङ्मय एवं उपनिषद्, का इतिहास **पूर्णाङ्काः ६०**

(क) तैत्तिरीयोपनिषत् ३०

(ख) वैदिक वाङ्मय का इतिहास ३०

सहायका ग्रन्थाः-

1. भगवद्दत्त. **वैदिक वाङ्मय का इतिहास**, नई दिल्लीः प्रणव प्रकाशन. १/२८ पंजाबी बाग.
2. उपाध्याय, बलदेव. **वैदिक साहित्य और संस्कृति**. काशीः शारदा मन्दिर, १९६७.
3. द्विवेदी, कपिलदेव. **संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास**. इलाहाबादः संस्कृत साहित्य संस्थान ३७. कचेहरी मार्ग.
4. Macdonnel, A. A History of Sanskrit Literature. New York: D. Appleton and Company, 1900.
5. Winternitz, M. Geschichte der Indischen Litteratur. Eng. Tran.A History of Indian Literature. Delhi: Moti Lal Banarasidass. 2010.

Core Major XIV: **CREDITS 04**

द्वितीय प्रश्नपत्र- भारतीय दर्शन (तर्कभाषा और सांख्यकारिका) **पूर्णाङ्काः ६०**

(क) केशवमिश्रकृत **तर्कभाषा** प्रामाण्यवादपर्यन्त ३०

(ख) ईश्वरकृष्णकृत **सांख्यकारिका** ३०

सहायका ग्रन्थाः-

1. केशवमिश्र, **तर्कभाषा**. हिन्दी अनुवादक और सम्पादक विश्वेश्वरसिद्धान्तशिरोमणि. वाराणसीः चौखम्बा संस्कृत संस्थान, विक्रम संवत्सर २०६२.
2. केशवमिश्र. **तर्कभाषा**. माधुरी हिन्दीव्याख्या सहित. व्याख्याकार और सम्पादक गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर. वाराणसीः चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, १९८४.
3. ईश्वरकृष्ण, सांख्यकारिका वाचस्पतिमिश्रकृत सांख्यतत्त्वकौमुदी टीका और सांख्यतत्त्वकौमुदी की विद्वत्तोषिणी व्याख्या युक्त. व्याख्याकार बालराम उदासीन. वाराणसीः भारतीय विद्या भवन. जगत गंज.
4. ईश्वरकृष्ण, **सांख्यकारिका**. वाचस्पतिमिश्रकृत सांख्यतत्त्वकौमुदी टीका और सांख्यतत्त्व - कौमुदी की प्रभा हिन्दी टीका सहित. हिन्दीटीकाकार आद्याप्रसाद मिश्र. इलाहाबादः सत्यप्रकाशन बलरामपुर हाउस. पुनः प्रकाशित. इलाहाबादः प्रेमप्रकाशन, १९६९

Core Major XV: CREDITS 04

तृतीय प्रश्नपत्र- नाटक और गद्यकाव्य **पूर्णाङ्काः ६०**

(क) भवभूतिकृत **उत्तररामचरित** ४५

(ख) बाणभट्ट, **हर्षचरित** प्रथम उच्छवास १५

सहायका ग्रन्थाः-

1. भवभूति. **उत्तररामचरित**. व्याख्याकार और सम्पादक डॉ. कपिलदेव द्विवेदी. इलाहाबादः संस्कृत साहित्य संस्थान, १९७४.
2. Bhavabhūti. The **Uttararāmacaritam**. Tran. & Ed. M.R. Kāle. Delhi: Motilal Banarasidass, 2014.
3. बाणभट्ट. **हर्षचरित**. हिन्दीभाषा अनुवादक और सम्पादक जगन्नाथ पाठक. वाराणसी: चौखम्बा विद्या भवन, १९७२.
4. बाणभट्ट. **हर्षचरित**. हिन्दीभाषानुवादक केशवराव मुसलगाँवकर. सम्पादक गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर. वाराणसीः चौखम्बा संस्कृत संस्थान, विक्रम संवत्सर २०४९.
5. द्विवेदी, कपिलदेव. **संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास**. इलाहाबादः संस्कृत साहित्य संस्थान.
6. राधावल्लभ. **संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास.** सागरः विश्वविद्यालय प्रकाशन, २००४.
7. पाण्डेय, अमरनाथ. **संस्कृतकविसमीक्षा**. वाराणसीः चौखम्बा ओरिएन्टला, १९७७.
8. Keith, AB. **The Sanskrit Drama**. London: Oxford University Press. Ely House, 1974.

Core Major XVI: CREDITS 04

चतुर्थं प्रश्नपत्र - शोधविधि (रिसर्च मेथडोलॉजी) **पूर्णाङ्काः ६०**

(क) शोध का अर्थ एवं स्वरूप

(ख) शोध की आवश्यकता, क्षेत्र एवं प्रकार

(ग) शोध की विविध पद्धतियाँ

(घ) शोध के चरण एवं सामग्री संकलन

(ङ) शोध विषय का चयन और शोधार्थी के गुण

सहायक ग्रन्थ :-

1. अनुसंधान प्रक्रिया एवं रूपरेखा, डॉ. देवीदास यशवंत इंगळे, अमन प्रकाशन, कानपुर।
2. आधुनिक शोध प्रणाली, दीपिका भारद्वाज, ऋतु पब्लिकेशन्स, जयपुर।

3. वैदिक शोध प्रविधि, डॉ. कृष्ण लाल, दिल्ली।
4. शोध प्रविधि, हरीश कुमार शास्त्री, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल।
5. शोध प्रविधि एवं पाण्डुलिपि विज्ञान, डॉ. अभिराज राजेन्द्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. Elements of Research Methodology in Sanskrit, Dr. Keshab Chandra Dash, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी-221001

Core Major Elective III: CREDITS 04

पञ्चम प्रश्नपत्र- धर्मशास्त्र **पूर्णाङ्काः ६०**

(क) **मनुस्मृति पञ्चम**, षष्ठ और सप्तम अध्याय ३०

(ख) **याज्ञवल्क्यस्मृति** द्वितीय व्यवहाराध्याय ३०

सहायका ग्रन्थाः-

1. **मनुस्मृति** कुल्लूकभट्टकृत मन्वर्थमुक्तावली टीका और शिवराज आचार्य कौण्डायन कृत हिन्दी अनुवाद सहित. वाराणसी चौखम्बा विद्याभवन, २००७.
2. **मनुस्मृति**. सम्पादक राजवीर शास्त्री, दिल्ली आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, १९८५.
3. **याज्ञवल्क्यस्मृति**. विज्ञानेश्वरप्रणीत मिताक्षरा टीकासहित, हिन्दी व्याख्याकार उमेशचन्द्र. वाराणसी चौखम्बा संस्कृत संस्थान, विक्रम संवत्सर २०६५.
4. **याज्ञवल्क्यस्मृति**. टीकाकार और सम्पादक नारायण आचार्य. दिल्ली नाग पब्लिशर्स ११ए/यू०ए० जवाहरनगरम, १९८३.

Minor – VII: CREDITS 04

षष्ठ प्रश्नपत्र – भारतीय संस्कृति और सभ्यता **पूर्णाङ्काः ६०**

(क) संस्कृति एवं सभ्यता की परिभाषा, वैदिक संस्कृति, भारतीय जीवन मूल्य, षोडश संस्कार। 20

(ख) रामायण, महाभारत एवं पुराणों का भारतीय संस्कृति और सभ्यता पर प्रभाव। 20

(ग) वर्णव्यवस्था, आश्रमव्यवस्था, पुरुषार्थ चतुष्टय, प्राचीन भारत में नारियो की स्थिति, प्राचीन भारतीय शिक्षा, प्राचीन भारतीय शिल्प और कला। 20

सहायक ग्रन्थ :-

(१) उपाध्याय, बलदेव . वैदिक साहित्य और संस्कृति, काशी: शारदा मन्दिर, 1967।

(२) गोयल, डॉ. प्रीतिप्रभा. भारतीय संस्कृति, जोधपुर: राजस्थानी ग्रन्थागार, सोजती गेट, 2004।

(३) शास्त्री, डॉ. नरेन्द्रदेव सिंह. 'भारतीय संस्कृति का इतिहास', मेरठ: साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, 1969।

(४) स्वामी दयानन्द. सत्यार्थप्रकाश, परोपकारिणी सभा, अजमेर: वैदिक यंत्रालय, 2002।

OR अथवा

M.D/I.D.(M)-V: **CREDITS 04**

षष्ठ प्रश्नपत्र – गढ़वाल के प्रमुख तीर्थस्थल **पूर्णाङ्कः ६०**

गढ़वाल के प्रमुख तीर्थस्थल— हरिद्वार, ऋषिकेश, देवप्रयाग, श्रीक्षेत्र (श्रीनगर), पंचबदरी, बदरीनाथ, केदारनाथ, तुंगनाथ, रुद्रनाथ, मध्यमहेश्वर, कल्पेश्वर, गुप्तकाशी, त्रियुगीनारायण, कालिमठ, गोपेश्वर, सूर्यप्रयाग (तिलवाड़ा), कर्णप्रयाग, नन्दा देवी और नन्दा की राजयात्रा, रुद्रप्रयाग, गंगोत्तरी, यमुनोत्तरी, उत्तरकाशी (बाड़ाहाट) और टिहरी।

सहायक ग्रन्थ :

(१) श्रीस्कन्दमहापुराणान्तर्गत केदारखण्ड, रत्नप्रभा भावव्याख्या सहित, व्याख्याकार ब्रजरत्न भट्टाचार्य, प्रकाशक महेशानन्द शर्मा, भक्तिरसामृत कार्यालय, मुम्बई: खेमराज कृष्णदास श्रीवेंकटेश्वर स्टीम प्रेस; पुनः प्रकाशित, नई दिल्ली: मोतीलाल बनारसीदास।

(२) कृष्णकुमार नैथानी, शिवप्रसाद, लक्ष्मीचन्द्र शास्त्री एवं उप्रेती जयदत्त, गढ़वाल के प्रमुख तीर्थ, श्रीनगर: हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, संस्कृत विभाग, 1981।

(३) नैथानी, शिवप्रसाद – उत्तराखण्ड के तीर्थ एवं मन्दिर, श्रीनगर गढ़वाल: पर्वती प्रकाशन, रमेश भवन, भक्तियाना, 1997।

FYUG 4TH YEAR (UG HONOURS WITH RESEARCH)
DEPARTMENT OF SANSKRIT (HNBGU)

8th Semester
अष्टम सेमेस्टर

Core Major XVII: **CREDITS 04**
Research Writing and Ethics **पूर्णाङ्काः ६०**

प्रथम प्रश्नपत्र – शोधलेखन और नैतिकता

(क) शोध पत्र/आलेख/प्रबन्ध का लेखन

(ख) शोध की नैतिकता एवं कदाचार

सहायक ग्रन्थ :-

1. अनुसन्धान-सम्पादन-प्रविधिः – म. म. डॉ. वागीश शास्त्री, वाग्योग चेतना प्रकाशनम्, वाराणसी।
2. शोध एवं प्रकाशन नैतिकता – सुरेन्द्र कटारिया एवं श्रीराम पाण्डेय, आर.बी.एस.ए. प्रकाशन, 2023।
3. Writing Your Thesis and Research Papers – R. K. Singh, प्रकाश बुक डिपो, बरेली-243003।

Core Major XVIII: **CREDITS 12**

द्वितीय प्रश्नपत्र- शोधनिबंध (Research Dissertation) **पूर्णाङ्काः** 100

Note: Topic will be issued in 7th semester

Core Major Elective IV: **CREDITS 04**
पञ्चम प्रश्नपत्र- गीता में आत्मप्रबधन **पूर्णाङ्काः ६०**

(क)	मन तथा बुद्धि का स्वरूप	१०
(ख)	मानसिक द्वन्द्व तथा उनके कारण	१०
(ग)	मन की चञ्चलता, नियन्त्रण और मन का संयमन	१०
(घ)	चेतन और परमात्मा के मध्य सम्बन्ध और उसकी भक्ति	१०
(ङ)	योगसिद्धि में साधक एवं बाधक तत्व	१०
(च)	आत्मप्रबन्धन का फल	१०

सहायक ग्रन्थः-

1. **श्रीमद्भगवद्गीता** शाङ्करभाष्य सहित, अनुवादक हरिकृष्णदास गोयन्दका, गोरखपुर, गीता प्रेस, संवत २०४९.
2. **श्रीमद्भगवद्गीता** शाङ्करभाष्य सहित, दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास, २००४.

3. व्याख्याकारः मदनमोहनः अग्रवालः, वाराणसी, चौखम्बासंस्कृतप्रतिष्ठानम्, १९९४.
4. **श्रीमद्भगवद्गीता** मधुसूदनसरस्वती कृत गूढार्थदीपिका संस्कृत टीका तथा प्रतिभा भाष्य हिन्दी व्याख्या सहित, व्याख्याकार मदन मोहन अग्रवाल, वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, १९९४.
5. तिलक, बालगंगाधर, **श्रीमद्भगवद्गीता** रहस्य और कर्मयोगशास्त्र दिल्ली, राजपाल एण्ड सन्स, १९६९.
6. कुमार, डॉ विनोद, **गीता** में आत्मप्रबन्धन, दिल्ली, परिमल पब्लिकेशन्स, २०१२.

Minor – VIII: **CREDITS 04**

षष्ठ प्रश्नपत्र – संस्कृत भाषा और साहित्य **पूर्णाङ्काः ६०**

(BSKLA-135: Sanskrit Bhasha aur Sahitya)
Swayam Course: 135
https://onlinecourses.swayam2.ac.in/nou25_lg20/

अथवा

M.D./I.D (M) VI: **CREDITS 04**

षष्ठ प्रश्नपत्र – भाषाविज्ञानम् **पूर्णाङ्काः ६०**

(क) **भाषा** – भाषा का व्यापक अर्थ, भाषाविज्ञान की दृष्टि से भाषा का अर्थ, भाषा का लक्षण, भाषा की प्रकृति, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा के विविध भेद यथा– भाषा, विभाषा, बोली। भाषा की उत्पत्ति से संबंधित विभिन्न मत। भाषाओं का वर्गीकरण। वर्गीकरण के आधार, आकृतिमूलक और पारिवारिक वर्गीकरण, भारोपीय भाषा परिवार का सामान्य परिचय, भारोपीय भाषा परिवार के अंतर्गत आर्य परिवार का सामान्य परिचय, भारोपीय भाषा परिवार के अंतर्गत आर्य परिवार की भाषाओं का विशेष अध्ययन, अवेस्ता और संस्कृत की तुलना, वैदिक संस्कृत और लौकिक संस्कृत की तुलना, भारतीय आर्य भाषाओं का वैदिक संस्कृत से अपभ्रंश तक का विकास। भाषाविज्ञान का लक्षण, भाषाविज्ञान का विविध शास्त्रों से संबंध, भाषाविज्ञान के अध्ययन के क्षेत्र। भाषाविज्ञान में भाषाओं के अध्ययन की पद्धतियाँ यथा– समकालिक (वर्णनात्मक और संरचनात्मक भेद सहित), ऐतिहासिक, तुलनात्मक और प्रायोगिक। ३०

(ख) **ध्वनिविज्ञान** – ध्वनि का लक्षण, ध्वनिग्राम, मानवीय वाग्यंत्र के आधार पर ध्वनियों के उच्चारण स्थान और प्रयत्न, स्वर और व्यंजन, संस्कृत ध्वनियों का उच्चारण स्थान और प्रयत्न के आधार पर वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ और कारण। ध्वनि परिवर्तन से संबंधित ध्वनि नियम यथा– ग्रिम नियम, ग्रासमान नियम और वर्नर नियम।
१५

(ग) **अर्थविज्ञान** – अर्थबोध के साधन, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ। १५

सहायक ग्रन्थ :–

1. कर्णसिंह – भाषाविज्ञान, मेरठ: साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार।
   तिवारी, भोलानाथ – भाषाविज्ञान, इलाहाबाद: किताब महल।

2. कपिलदेव – भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र, वाराणसी: विश्वविद्यालय प्रकाशन, 2012।
   Gune, P.D. – An Introduction to Comparative Philology, दिल्ली: चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, 2005।
3. Bloomfield, Leonard – Language, न्यूयॉर्क: Holt, Rinehart and Winston, 1933।